RPF रेल रक्षक बैंच

Class-32

:→ History ←:

पृथ्वीराज चौहान

⇒ दिल्ली बसाई (ढिल्लीका पुरी) पुराना नाम
Delhi Basai (Dhillika Puri) old name

⇒ अनंगपाल -II (अनंगपाल तोमर) ⇒ नाना
Anangpal-II (Anangpal Toman)

2 बेटी हैं।

→ कोई पुत्र नहीं था Had No Son

पृथ्वीराज चौहान के पिता - सोमेश्वर सिंह चौहान
Prithviraj Chauhan's father - Someshwar Singh Chauhan

पृथ्वीराज चौहान पितार्थी अजमेर के शासक

प्रेमिका - सयुंक्ता/सयोंगिता Girlfriend - Sanyukta/Sanyogita

संयोगिता के पिता जयचंद

1194 - चन्दावर का युद्ध 1194- Battle of Chandawar

दूसरी बेटी की शादी गौरी Vs जयचंद (गहडवाल वंश)
Gauri Vs Jaichand (Gahdwal dynasty)

→ कन्नौज के शासक
↳ जयपाल

→ कन्नौज Kannauj

गौरी की जीत Gauri's Victory

तराईन I → 1191
तराईन II → 1192
> पृथ्वीराज चौहान Vs गौरी

चंदावर का युद्ध ⇒ 1194 ⇒ जयचंद Vs गौरी

⇒

सूफीवाद ?

↳ मुस्लिम धर्म (शिया, सुन्नी) > विवाद → इस विवाद को दूर करने के लिए सूफीवाद का जन्म हुआ।

⇒ मोइनुद्दीन चिश्ती तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गोरी के साथ आए। जो कि सूफीवाद के प्रवर्तक थे (भारत)

Moinuddin Chishti accompained Mohammad Ghori in the Second battle of Tarain. who was the Originator of Sufism (India)

⇒ चिश्ती - अजमेर (राज०) में रहते थे। Chishti - lived in Ajmer (Raj).

Imp:
⇒ अजमेर में ही दरगाह है: (अजमेर शरीफ) मोइनुद्दीन चिश्ती की

There is a dargah in Ajmer itself: (Ajmer Sharif) of Moinuddin Chishti.

⇒ मो॰ गोरी ने चंदावर युद्ध के बाद देवी लक्ष्मी के सिक्के चलवाए। (1194) (gmp.)
Mo. Ghori got the Coins of Goddess Lakshmi issued after the Chandawar war

⇒ उत्तर भारत में इक्ता प्रथा, चलवाई Iqta System started in North India
↳ वेतन के जगह पर जमीन का टुकड़ा मिलता था।
Instead of salary, a piece of land was given.

⇒ 1203 ई॰ में कालिंजर अभियान में चंदेल शासक: परमार्दिदेव, को हराया।
In 1203 AD, Chandel ruler: Parmadidev, was defeated in the Kalinjar campaign!

सेनापति – आल्हा उदल
Senapati – Alha, Udal

○ → जमीन का टुकड़ा

⇒ गोरी का अंतिम अभियान: खोखर जाति के विरुद्ध
Ghori's last Campaign: against the khokhar caste.

⇒ गोरी की मृत्यु: 1206 Death of Ghori: 1206 अलीमदीन
दमयक (प॰ पाकिस्तान) Damyak (west Pakistan)

⇒ गौरी के दास – 1. यल्दौज – गजनी
Slaves of Ghori – 1 Yaldouz – Ghazni

2. कुबाचा – सिंध
Qubacha – Sindh

यल्दौज
कुबाचा
ऐबक
बख्तियार खिलजी

3. ऐबक (कुतुबुद्दीन) – (लाहौर + दिल्ली)
Aibak (Qutubuddin) – (Lahore + Delhi)

4. बख्तियार खिलजी – (बंगाल + बिहार)
Bakhtiyar khilji – (Bengal + Bihar)

बख्तियार खिलजी ने नष्ट किए

1. नालंदा विश्व विद्यालय : (बिहार)
Nalanda University — Imp.
2. विक्रमशिला विश्व विद्यालय : (बिहार)
Vikramshila University
3. ओदंतपुरी विश्वविद्यालय : (बिहार)
Odantpuri University

⇒ बख्तियार खिलजी पूर्व में मो० गौरी का सेनापति (पहले) या बाद में ऐबक का।
Bakhtiyar khilji was formerly the Commander of Mohd Ghori or later of Aibak

दिल्ली सल्तनत (1206 - 1526 AD)

दिल्ली सल्तनत में 5 वंश हुए :
There were 5 dynasties in the Delhi Sultanate:

84 वर्ष ← G गुलाम वंश - (1206 - 1290) Slave Dynasty - (1206 - 1290)

K खिलजी वंश - (1290 - 1320) - सबसे कम कार्यकाल
30 वर्ष ← Khilji dynasty - (1290 - 1320) - Shortest tenure

94 वर्ष ← T तुगलक वंश - (1320 - 1414) - सबसे लम्बा कार्यकाल
Tughlaq Dynasty (1320 - 1414) - longest tenure

37 वर्ष ← S सैय्यद वंश - (1414 - 1451) Sayyid Dynasty - (1414 - 1451)

L लोदी वंश - (1451 - 1526) Lodi Dynasty - (1451 - 1526)
75 वर्ष

गुलाम वंश (Gulam Dynasty) 1206 - 1290 AD

गुलाम वंश के अन्य नाम :- दास वंश (Slave dynasty)
Other names of Slave dynasty :- Slave dynasty
- → ममलूक वंश Mamluk dynasty
- → इल्बरी वंश Ilbury dynasty

गुलाम वंश में कुल शासक - 11
total rulers in slave dynasty - 11

① कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210) – गुलाम वंश का संस्थापक (Imp.)
Qutbuddin Aibak - Founder of Slave Dynasty

(जन्म :- 1150 ई०) राजधानी : लाहौर
Birth: 1150 AD) Capital: Lahore

सैन्य राजधानी : इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)
Military Capital: Indraprastha

→ गौरी का गुलाम था Ghori's Slave

इसे मिर्जा अजीज कोका से खरीदा गया था। गौरी ने खरीदा था।
It was bought from Mirza Aziz koka. Ghori had bought it.

⇒ मो. गौरी ने ऐबक को दो उपाधि मलिक और सिपहसलार प्रदान की।
Mohd. Ghori gave two titles to Aibak, Malik and Sipahsalar

⇒ गौरी ने इसे शुरुआत में (अमीर-ए-आखुर) पद दिया।
Ghori initially gave him the post of Ameer-e-Akhur
→ घोड़े के अस्तबल का प्रमुख
Stable master

लाहौर- मृत्यु (चौगान खेलते समय)
Lahore death (while playing Chougan)

⇒ ऐबक के other name - पील बख्श (हाथियों का दान करने वाला)
Aibak's other name. Peel Baksh (donar of Elephants)

लाखबख्श Lakh Bakhsh → लाखों का दान करने वाला
हातिम द्वितीय Hatim II
क़ुरान खां quran kha

⇒ ऐबक ने कभी भी अपने नाम का कोई सिक्का नहीं चलाया और न ही खुतबा (प्रशंसा पत्र) पढ़वाया।
Aibak never minted any Coin in his name or did he read khutba (appreciation letter)

⇒ ऐबक बख्तियार काकी का शिष्य था।
Aibak Bakhtiyar was a disciple of kaki.
→ सूफीवाद (Sufism)

बख्तियार काकी के गुरु - मोईनुद्दीन चिश्ती थे.
Bakhtiyar kaki's teacher was Moinuddin Chishti.

मोइनुद्दीन चिश्ती
↳ गुरु → बख्तियार काकी
↓↓
गुरु → ऐबक

⇒ ऐबक के निर्माण कार्य Aibak Construction work-

(1) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद - दिल्ली - उत्तर भारत की पहली मस्जिद

Quwwat-ul-Islam Mosque-Delhi-The first mosque of North India

(2) अढ़ाई दिन का झोंपड़ा — अजमेर

(3) कुतुबमीनार का निर्माण शुरू कराया

Started the Construction of Qutub Minar → बख्तियार काकी की याद में

Height-72.5m

1993 में UNESCO की विश्व विरासत सूची में शामिल।
Included in the UNESCO World Heritage List in 1993.

⇒ ऐबक को ही गुम्बद कला और मेहराब कला का जनक कहते हैं।
Aibak is called the father of dome art and arch art.

⇒ ऐबक का दरबारी कवि - हसन निजामी (पुस्तक ताजुल मासिर) Imp.
Aibak's Court Poet - Hasan Nizami (Book Tajul Masir)

⇒ ऐबक का मकबरा - लाहौर (इल्तुमिश ने बनवाया)
Tomb of Aibak - Lahore (built by Iltutmish)

गुम्बद — मेहराब

(2) आरामशाह (1210-1211)

इसको इल्तुतमिश ने हरा दिया था, (जूड के युद्ध में)
It was defeated by Iltutmish (in the Battle of Jud)